

## जलियाँवाला बाग नरसंहार मुआवज़े में नस्लीय पूर्वाग्रह

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

### चर्चा में क्यों?

13 अप्रैल, 1919 को हुआ [जलियाँवाला बाग हत्याकांड](#), भारत के औपनिवेशिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। नया शोध ब्रिटिश सरकार द्वारा त्रासदी से प्रभावित लोगों को मुआवज़ा देने में अपनाई गई घोर नस्लवादी कानूनी संरचना पर प्रकाश डालता है।

### शोध की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- **मुआवज़े में नस्लीय पूर्वाग्रह:**
  - ब्रिटिश प्रशासन द्वारा भारतीयों को यूरोपीय लोगों के समान मुआवज़ा नहीं दिया जाता था।
    - यूरोपीय लोगों को भारतीयों की तुलना में **600 गुना अधिक मूल्य का भुगतान प्राप्त** हुआ।
  - यूरोपीय लोगों को कुल मिलाकर 523,000 रुपए से अधिक का मुआवज़ा प्राप्त हुआ, साथ ही वयक्तगत भुगतान के रूप में 30,000 रुपए से लेकर 300,000 रुपए तक प्राप्त हुए। ब्रिटिश सरकार ने इन्हें यूरोपीय दावों को कहीं अधिक प्राथमिकता दी।
  - मुआवज़े का भेदभावपूर्ण वितरण **नस्लीय पूर्वाग्रह और भारतीयों के जीवन मूल्य की चतिनीय स्थिति को दर्शाता** है।
- **कानूनी कार्यवाही:**
  - **पंजाब अशांति समिति**, ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा हिसा को उचित ठहराते हुए नस्लीय आधार पर वभिजित हो गई।
    - समिति के यूरोपीय सदस्यों ने पंजाब में ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा प्रयोग की गई हसिक रणनीति को उचित ठहराया, जबकि भारतीय सदस्य इससे सहमत नहीं थे।
  - भारतीय वधायकों ने समान मुआवज़े की मांग की और उन्हें ब्रिटिश अधिकारियों के प्रतरीध का सामना करना पड़ा।
- **उपनिवेशवाद की अनुचतता:**
  - नए शोध के अनुसार, ब्रिटिश सरकार को औपचारिक रूप से माफी मांगनी चाहिये, और साथ ही शाही वरिसतों को उपनिवेशमुक्त करने तथा इतिहास की गलतियों को स्वीकार करने पर ज़ोर भी दिया जाना चाहिये।

### जलियाँवाला बाग हत्याकांड क्या है?

- **नरसंहार की शुरुआत:**
  - **प्रथम विश्व युद्ध** के बाद [भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस](#) को स्वशासन की उम्मीद थी लेकिन उसे शाही नौकरशाही के प्रतरीध का सामना करना पड़ा।
  - **1919 में पार्लि रॉलेट एक्ट** ने सरकार को [देशद्रोही](#) गतिविधियों से जुड़े व्यक्तियों को बनिा मुकदमे के गरिफ्तार करने का अधिकार दिया, जिससे देश भर में अशांतिको बढ़ावा मिला।
  - 9 अप्रैल, 1919 को राष्ट्रवादी नेताओं सैफुद्दीन कचिलू और डॉ. सत्यपाल की गरिफ्तारी के बाद पंजाब में व्यापक वरीध प्रदर्शन शुरु हो गया।
- **नरसंहार:** जलियाँवाला बाग नरसंहार दमनकारी रॉलेट एक्ट और पंजाब में व्यापक वरीध प्रदर्शनों के कारण बढ़े तनाव के कारण हुआ था।
  - वर्ष **1857 के वदिरोह** की तरह वदिरोह के डर से, ब्रिटिश प्रशासन ने प्रतरीध का दमन कथिा।
  - 13 अप्रैल, 1919 को ब्रिगिडियर-जनरल डायर की कार्रवाइयों (सैनिकों ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें कई नरिदोष लोगों की मृत्यु हो गई तथा कई अन्य लोग घायल हो गए) ने स्थिति को और चतिनीय कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप रॉलेट एक्ट, 1919 के खलिाफ हो रहे शांतपूरण वरीध प्रदर्शन के दौरान नरसंहार हुआ, जिससे सैकड़ों नरिदोष प्रदर्शनकारियों की मृत्यु हो गई।
    - हालौकडायर ने 13 अप्रैल (बैसाखी के दनि) को एक घोषणा की, जिसमें लोगों को प्रदर्शन करने से मना कथिा गया।
- **हंटर आयोग:** हंटर आयोग को जलियाँवाला बाग नरसंहार की प्रतकिर्या में ब्रिटिश सरकार द्वारा गठित कथिा गया था।
  - इस आयोग की रपौरट में नरिदोष और नशिस्त्र नागरिकों पर गोली चलाने के डायर के नरिणय की आलोचना की गई तथा सैन्य बल के असंगत उपयोग पर प्रकाश डाला गया।
  - हंटर आयोग के नषिकर्षों से भारत में डायर के कार्यों की नदिा को बढ़ावा मिला।
    - समिति की कार्यवाही शुरु होने से पूर्व सरकार ने अपने अधिकारियों की सुरक्षा के लयि एक क्षतपूरति अधनियिम पारलि कथिा था।

- आयोग की रपिर्ट के कारण **डायर को उसकी कमान से हटा दिया गया** और उसके बाद सेना से उसकी सेवानवृत्ति कर दी गई।
- **परणाम और महत्त्व:** जलियाँवाला बाग नरसंहार भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्त्वपूर्ण क्षण बन गया, जिसने **महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन (1920-22) को उत्प्रेरित किया**।
  - इस घटना के वरिध में **रवीन्द्रनाथ टैगोर** ने अपनी **नाइटहुड** की उपाधत्याग दी।
  - 1940 में लंदन के कैक्सटन हॉल में भारतीय स्वतंत्रता सेनानी **उधम सहि** ने **माइकल ओ 'डायर की हत्या** कर दी, जिन्होंने डायर के कार्यों को मंजूरी दी थी।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????????:**

प्रश्न. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान रॉलेट एक्ट ने कसि कारण से सार्वजनिक रोष उत्पन्न किया? (2009)

- इसने धर्म की स्वतंत्रता को कम किया
- इसने भारतीय पारंपरिक शक्तिषा को दबा दिया
- इसने सरकार को बनिा मुकदमे के लोगों को कैद करने के लयि अधिकृत किया
- इसने ट्रेड यूनयिन गतविधियों पर अंकुश लगाया

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/racial-bias-in-jallianwala-bagh-massacre-compensation>

